मेरा देश : भारत

हमारा देश भारत है। जहाँ लगभग 1 अरब से भी ज्यादा लोग रहते हैं। विश्व में चीन के बाद हमारे देश की जनसंख्या का दूसरा स्थान है। आज विश्व का हर सातवां व्यक्ति भारतीय है। भारत की सीमा तीन ओर से समुद्र से घिरी है, एक ओर हिमालय है, तो एक ओर पाकिस्तान है।

भारत एक महान विसद अद्भूत देश है। विश्व के सभी प्रमुख धर्मों के लोग यहां रहते हैं। हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिक्ख आदि धर्मों का तो यहीं जन्म हुआ है। अनेकता में एकता, भारत का विलक्षण उदाहरण है। उत्तर में कश्मीर से दक्षिण में कन्याकुमारी तक और पश्चिम में गुजरात से पूर्व में असम तक भारत की सीमा है। उत्तर में पर्वतराज हिमालय शान से खड़ा है। इसकी चोटियां विश्व की सबसे ऊँची चोटियाँ हैं। ये सदा हिम से अलंकृत रहती हैं। इसके नीचे विशाल सागर हैं। इसके अंदर महान नदियों का विस्तृत जाल है। यहाँ सभी तरह की जलवायु पायी जाती हैं।

भारत में सभी धर्म के लोग आपस में मिलजुल कर रहते हैं और सभी त्यौहार एक साथ मनाते हैं। यहां सभी लोग चाहे किसी भी धर्म या प्रदेश या जाति के हों, वे मिल कर रहते है।

भारत का इतिहास भी बड़ा प्राचीन है। सिंधु घाटी की सभ्यता और रामायण काल से लेकर अब तक हजारों वर्षों का इसका इतिहास है। प्राचीन काल में यह सोने की चिड़िया कहलाता था। आज यह प्रगति की राह पर आगे बढ़ रहा है। भारत में अनेक महान विभूतियों का जन्म हुआ है। प्राचीन समय में गौतम बुद्ध, राम, कृष्ण, महावीर हुये तो वर्तमान में महात्मा गांधी। इन्होंने देश की जनता का आदर, सम्मान किया और सदैव विकास की राह पर चलने का उपदेश दिया।

भारत आज महाशक्ति के रूप में जाना जाता है। हमें अपने देश, उसकी सभ्यता पर गर्व है।

6. पेड़-पौधे और हमारा जीवन (Plants and Our Lives)

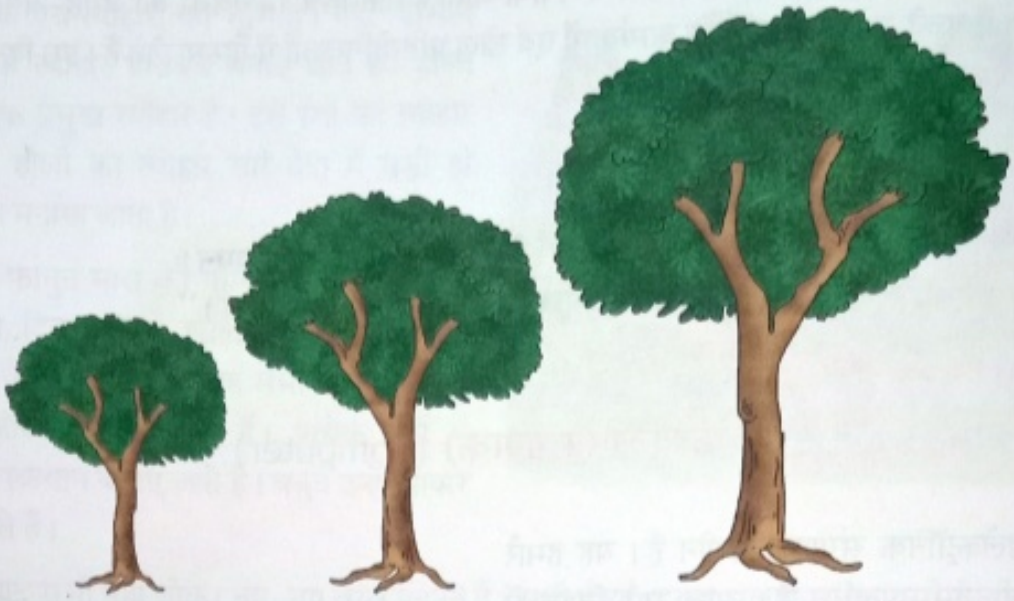

हमारा जीवन पेड़-पौधों पर आधारित है। इनके अभाव में जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। हम जिस हवा में साँस लेते हैं, वह हमें पेड़-पौधों से ही मिलती है। पेड़-पौधे हमारे द्वारा छोड़ी गई कार्बन डाई ऑक्साइड को ग्रहण करते हैं।

पेड़-पौधों से हमें अनाज, फल, सब्ज़ियाँ आदि प्राप्त होती है। पेड़-पौधों से हमें ईंधन की लकड़ी एवं घरों को बनाने के लिए इमारती लकड़ी मिलती है। फर्नीचर की लकड़ी भी हमें पेड़ों से मिलती है। रंग-बिरंगे एवं सुगंधित फूल और औषधियाँ भी हमें पेड़-पौधों से ही मिलती हैं।

कई उद्योग भी पेड़-पौधों पर आधारित हैं। जैसे - कागज़ उद्योग, चीनी उद्योग, वस्त्र उद्योग, पटसन एवं जूट उद्योग आदि।

पेड़-पौधों से हमें अनेक ऐसे लाभ हैं जिनको हम देख नहीं सकते केवल अनुभव कर सकते हैं। पेड़-पौधे हमारे वातावरण को शुद्ध रखते हैं। वर्षा में सहायक होते हैं तथा तेज़ हवाओं को रोकते हैं। वृक्षों के महत्त्व को देखते हुए हमारे देश में पीपल, बरगद, नीम, तुलसी और केला जैसे अनेक वृक्षों की पूजा होती है।

हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए एवं वृक्षों को काटने से बचाना चाहिए। पेड़-पौधों का संरक्षण करना हमारा पावन कर्त्तव्य है। इसी में मानव जाति का कल्याण भी है।

"सदा पेड़-पौधों की रक्षा करें, उन्हें जीवंत बनाएँ।
यही आज कर्त्तव्य हमारा, सब मिल पर्यावरण बचाएँ।।"

मधुर वाणी का महत्व

मनुष्य के जीवन में उसके द्वारा बोली गई वाणी ही उसे प्रिय या अप्रिय बनाती है। मधुर वाणी बोलने वाला व्यक्ति सभी को प्रिय लगता है और वहीं दूसरी तरफ किसी मनुष्य में अपार गुण होते हुए भी यदि उसकी वाणी में मधुरता नहीं है तो वह किसी को भी पसंद नहीं आता। इसे हम कौवा और कोयल के उदाहरण के द्वारा अच्छी तरह से समझ सकते हैं। क्योंकि दोनों का स्वरूप देखने में तो एक समान ही है परंतु वाणी में दोनों के गुणों की पहचान हो जाती है। कोयल सबको प्रिय लगती है क्योंकि उसकी वाणी में मधुरता होती है और कौआ सबको अप्रिय लगता है क्योंकि उसकी वाणी मैं करकसता होती है।

"कौए की कर्कश आवाज़ और कोयल की मधुर वाणी को सुन।
सभी जान जाते है, दोनों के गुण।"

मानव अपनी मधुर वाणी से शत्रु को भी अपना मित्र बना लेता है मधुर वचनों को बोलने से बोलने वाले को तथा सुनने वालों को दोनों को ही शांति एवं मन में आनंद की अनुभूति प्राप्त होती है भाई सारे का वातावरण बना रहता है तथा मानव समाज में प्रतिष्ठा एवं सम्मान प्राप्त कर पाता है हमारे भारतवर्ष में विद्वानों और कवियों ने भी मधुर वचन को औषधि की संज्ञा दी है। इसीलिए प्रत्येक मनुष्य को अहंकार और क्रोध का त्याग करके मीठी वाणी बोलकर सबका मन हरना चाहिए।